अध्याय -10

मानव बस्ती

पाठ की रूपरेखा

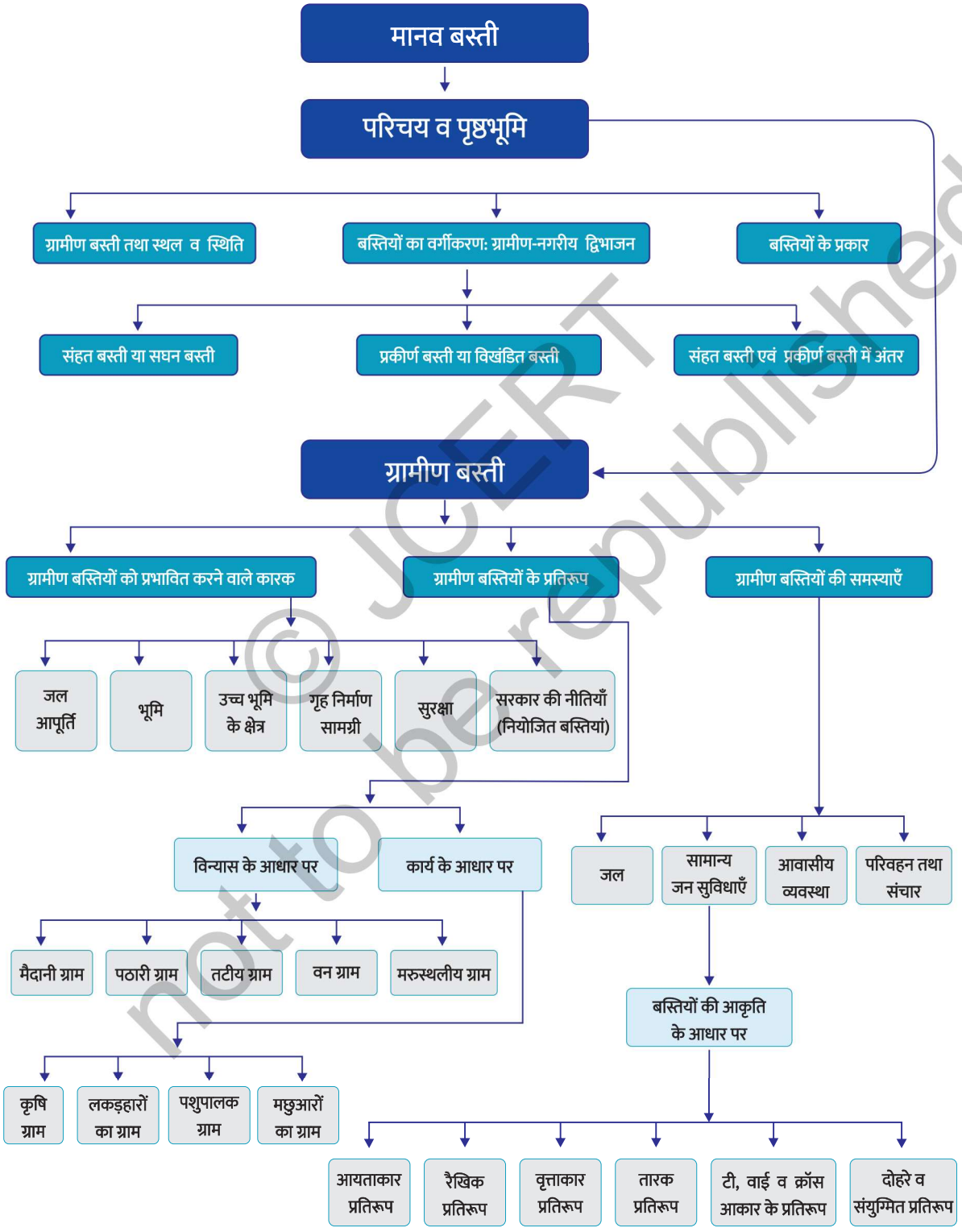

© JCERT not to be republished

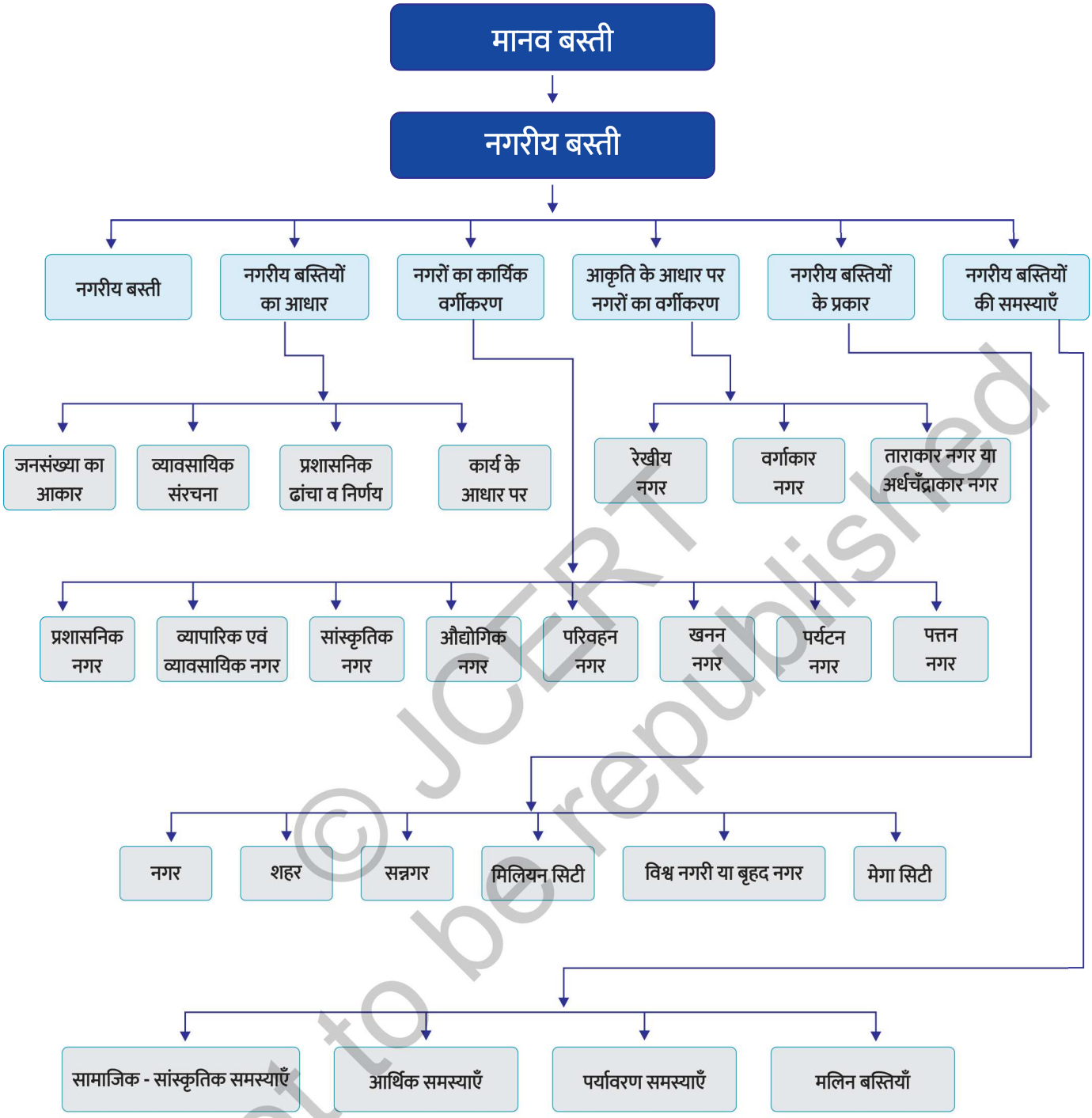

© JCERT not to be republished

मानव बस्ती

एक स्थान जहां साधारणतया स्थाई रूप से मानव बसाव हो उसे मानव बस्ती कहते हैं। यह स्थाई-अस्थाई प्रकार का सकता है। वास्तव में बस्ती मकानों के समूह होते हैं जिन्हें उनकी विशेषताओं के आधार पर ग्राम, नगर या शहर कह सकते हैं।

बस्तियों का वर्गीकरण

ग्रामीण बस्ती

जिन आवासीय क्षेत्रों में अधिकांश लोग प्राथमिक कार्यों में लगे होते हैं उन्हें ग्रामीण बस्ती कहा जाता है। यहाँ प्राथमिक गतिविधियां मुख्यत: कृषि, मछली पकड़ना, लकड़ी काटना, खनन कार्य, पशुपालन इत्यादि की जाती हैं।

नगरीय बस्ती

वहीं जिन आवासीय क्षेत्रों के अधिकांश लोग द्वितीयक एवं तृतीयक गतिविधियों द्वारा अपना जीविकोपार्जन करते हैं उन्हें नगरीय या शहरी बस्ती कहा जाता है।

1991 की भारतीय जनगणना में नगरीय बस्ती को इस प्रकार परिभाषित किया गया है :- सभी स्थान जहां नगर पालिका, निगम, छावनी बोर्ड या अधिसूचित क्षेत्र समिति हो एवं कम से कम 5000 व्यक्ति वहां निवास करते हो, साथ ही 75% पुरुष श्रमिक गैर कृषि कार्यों में संलग्न हो व जनसंख्या का घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो, ऐसे स्थान या क्षेत्र को नगरीय बस्ती कहेंगे।

बस्तियों के प्रकार एवं प्रतिरूप

बसाव की सघनता एवं मकानों के बीच की दूरी के आधार पर बस्तियों को दो वर्गों में रखा जा सकता है

सघन बस्ती :- इस प्रकार के बस्तियों में मकान एक दूसरे के समीप बने होते हैं। इस प्रकार के अधिवासित क्षेत्र नदी घाटी एवं उपजाऊ मैदानों में विशेषकर देखने को मिलते हैं।

प्रकीर्ण बस्ती :- इन बस्तियों में मकान दूर-दूर होते हैं तथा प्राय: खेतों के द्वारा एक-दूसरे से अलग होते हैं।

आर्थिक गतिविधियों के आधार पर बस्तियों को दो वर्गों में विभाजित किया जाता है

ग्रामीण बस्ती

नगरीय बस्तियाँ

© JCERT not to be republished

ग्रामीण बस्ती

वैसे अधिवासित क्षेत्र जहां अधिकांश निवासी प्राथमिक गतिविधियों द्वारा अपना जीविकोपार्जन करते हैं ग्रामीण बस्ती के रूप में जाने जाते हैं।

बस्तियों का आकार अपेक्षाकृत छोटा होता है व कृषि, पशु पालन, मछली पालन आदि प्रमुख व्यवसाय होते हैं।

ग्रामीण बस्तियों को प्रभावित करने वाले कारक

- **जलापूर्ति-** जल की सुलभ आपूर्ति ग्रामीण बसाव को आकर्षित करती है।
- **भूमि-** कृषि कार्य हेतु उपयुक्त एवं उपजाऊ भूमि।
- **उच्च भूमि के क्षेत्र-** बाढ़ से बचाव के लिए उच्च भूमि क्षेत्र।
- **गृह निर्माण सामग्री-** गृह निर्माण सामग्री की सरल उपलब्धता वाले क्षेत्र।
- **सुरक्षा-** युद्ध व राजनीतिक अस्थिरता गांव के बसाव को काफी प्रभावित करता है।
- **नियोजित बस्तियां-** इस तरह की बस्तियां सरकार द्वारा बसाई जाती है।

ग्रामीण बस्तियों के प्रतिरूप

विन्यास के आधार पर

- मैदानी ग्राम
- पठारी ग्राम
- तटीय ग्राम
- वन ग्राम
- मरुस्थलीय ग्राम

कार्य के आधार पर

- कृषि ग्राम
- मछुआरों का ग्राम
- लकड़हारे का ग्राम
- पशुपालक ग्राम

ग्रामीण बस्तियों की आकृति के आधार पर विभिन्न प्रतिरूप

- रैखिक प्रतिरूप
- आयताकार प्रतिरूप
- वृत्ताकार प्रतिरूप
- तारे के आकार का प्रतिरूप
- टी आकार का प्रतिरूप
- वाई आकार का प्रतिरूप
- दोहरे ग्राम

ग्रामीण बस्तियों की आकृति के आधार पर विभिन्न प्रतिरूप

- आधारभूत संरचना का अभाव
- पेयजल आपूर्ति का अभाव
- सिंचाई सुविधाओं की कमी
- शौच एवं कूड़ा कचरा निस्तारण की नगण्य सुविधाएं
- स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव
- जंगली जानवरों द्वारा कृषि एवं जन धन की छति
- परिवहन तंत्र का अल्प विकास
- शिक्षा संबंधी मूलभूत सुविधाओं का अभाव

© JCERT not to be republished

नगरीय बस्तियाँ

- वैसे अधिवासित क्षेत्र जहां द्वितीयक एवं तृतीयक गतिविधियां जीविकोपार्जन का मूल माध्यम होती हैं नगरीय बस्तियों के रूप में जाने जाते हैं।
- यहां मूलतः प्राथमिक क्रियाकलापों द्वारा प्राप्त माल का प्रसंस्करण एवं वितरण संबंधी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
- तीव्र नगरीय विकास एक नूतन परिघटना है। लंदन प्रथम नगरीय क्षेत्र है जिसकी जनसंख्या लगभग 1810 में 10 लाख की हो गई थी। 1982 तक विश्व में 175 नगर ऐसे हो गए जहां जनसंख्या 10 लाख से अधिक थी।
- 800 में विश्व की केवल 3% जनसंख्या नगरीय बस्तियों में निवास करती थी जो कि 2001 तक 48% हो गई।
- नगरीय बस्तियों का वर्गीकरण
- जनसंख्या के आकार के आधार पर
  - कोलंबिया में 1500, अर्जेंटीना एवं पुर्तगाल में 2000, यूएसए एवं थाईलैंड में 2500, भारत में 5000, जापान में 30000 व्यक्ति वाले बसाव क्षेत्र को नगरीय क्षेत्र की श्रेणी में रखा जाता है।
  - डेनमार्क, स्वीडन एवं फिनलैंड में 250 व्यक्ति, आइसलैंड में 300 व्यक्ति, कनाडा एवं वेनेजुएला में 1000 व्यक्ति वाले आवासित क्षेत्र नगरीय बस्ती की श्रेणी में आते हैं।
- व्यवसायिक संरचना
  - भारत में कुल कार्यशील पुरुष जनसंख्या का 75% गैर कृषि कार्यों में संलग्न क्षेत्र नगरीय श्रेणी में रखे जाते हैं।
  - इटली में उस बस्ती को नगरीय बस्ती कहा जाता है जिसकी आर्थिक रूप से उत्पादक जनसंख्या का 50% गैर कृषि कार्यों में संलग्न है।
- प्रशासन के आधार पर
  - भारत में किसी भी आकार की बस्ती को नगर के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि वहां नगरपालिका, छावनी बोर्ड या अधिसूचित नगरीय क्षेत्र समिति हो।
  - ब्राज़ील एवं बोलिविया में किसी भी प्रशासकीय केंद्र को नगरीय केंद्र माना जाता है।
- स्थिति के आधार पर
  - औद्योगिक नगर
  - सेना नगर
  - समुद्री पतन नगर
  - खनिज नगर
  - पर्यटन नगर

© JCERT not to be republished

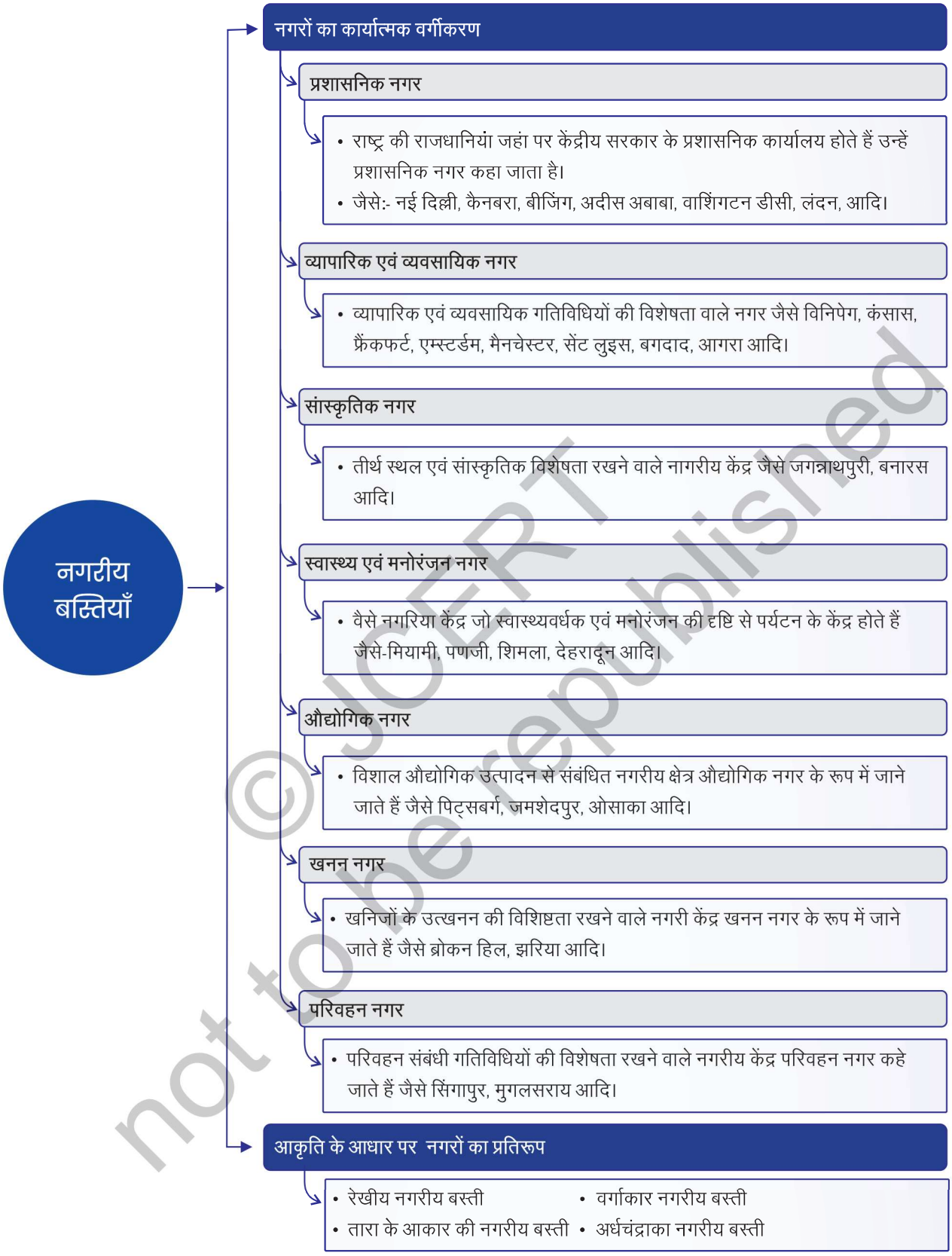

नगरीय बस्तियाँ

नगरों का कार्यात्मक वर्गीकरण

प्रशासनिक नगर

- राष्ट्र की राजधानियां जहां पर केंद्रीय सरकार के प्रशासनिक कार्यालय होते हैं उन्हें प्रशासनिक नगर कहा जाता है।
- जैसे:- नई दिल्ली, कैनबरा, बीजिंग, अदीस अबाबा, वाशिंगटन डीसी, लंदन, आदि।

व्यापारिक एवं व्यवसायिक नगर

- व्यापारिक एवं व्यवसायिक गतिविधियों की विशेषता वाले नगर जैसे विनिपेग, कंसास, फ्रैंकफर्ट, एम्स्टर्डम, मैनचेस्टर, सेंट लुइस, बगदाद, आगरा आदि।

सांस्कृतिक नगर

- तीर्थ स्थल एवं सांस्कृतिक विशेषता रखने वाले नागरीय केंद्र जैसे जगन्नाथपुरी, बनारस आदि।

स्वास्थ्य एवं मनोरंजन नगर

- वैसे नगरिया केंद्र जो स्वास्थ्यवर्धक एवं मनोरंजन की दृष्टि से पर्यटन के केंद्र होते हैं जैसे-मियामी, पणजी, शिमला, देहरादून आदि।

औद्योगिक नगर

- विशाल औद्योगिक उत्पादन से संबंधित नगरीय क्षेत्र औद्योगिक नगर के रूप में जाने जाते हैं जैसे पिट्सबर्ग, जमशेदपुर, ओसाका आदि।

खनन नगर

- खनिजों के उत्खनन की विशिष्टता रखने वाले नगरी केंद्र खनन नगर के रूप में जाने जाते हैं जैसे ब्रोकन हिल, झरिया आदि।

परिवहन नगर

- परिवहन संबंधी गतिविधियों की विशेषता रखने वाले नगरीय केंद्र परिवहन नगर कहे जाते हैं जैसे सिंगापुर, मुगलसराय आदि।

आकृति के आधार पर नगरों का प्रतिरूप

- रेखीय नगरीय बस्ती
- वर्गाकार नगरीय बस्ती
- तारा के आकार की नगरीय बस्ती
- अर्धचंद्राका नगरीय बस्ती

© JCERT not to be republished

कुछ नियोजित नगर

अदीस अबाबा (नवीन पुष्प)

इथियोपिया की राजधानी नगर अदीस अबाबा एक नवीन नियोजित नगर है जिसकी स्थापना 1878 में हुई थी।

कैनबरा

अमेरिकन वास्तुविद वाल्टर वर्ली ग्रिफिन ने 1912 मैं ऑस्ट्रेलिया की राजधानी के लिए इस नगर की योजना बनाई।

नगरीय बस्तियों के प्रकार

नगरीय बस्ती अपने आकार, उपलब्ध सुविधाओं एवं उनके द्वारा संपन्न किए जाने वाले कार्यों के आधार पर कई नामों से पुकारी जाती हैं जैसे नगर, शहर, मिलियन सिटी, सन्नगर, विश्वनगरी।

नगर

ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा यहां लोक निर्माण, खुदरा एवं थोक व्यापार और व्यवसायिक सेवा में संलग्न रहते हैं।

शहर

लेविस मंफोर्ड के शब्दों में "वास्तव में शहर उच्च एवं अधिक जटिल प्रकार के सहचारी जीवन का भौतिक रूप है।" शहर नगरों से बड़े होते हैं एवं इनके आर्थिक कार्य भी अधिक होते हैं।

सन्नगर

इस शब्दावली का प्रयोग 1915 में पैट्रिक गिडिज ने किया था। यह विशाल नगरीय क्षेत्र होते हैं जो अलग-अलग शहरों के आपस में मिल जाने से बनते हैं जैसे- लंदन, मैनचेस्टर, टोकियो, दिल्ली, मुंबई आदि।

मिलियन सिटी

जब शहरों की जनसंख्या 10 लाख से अधिक हो जाती है तब उसे मिलियन सिटी कहा जाता है। आज विश्व में 500 से भी अधिक मिलियन सिटी हैं।

विश्व नगरी

1957 में जीन गाटमैन ने विशाल नगरों हेतु इस शब्द का प्रयोग किया। यह बड़ा महानगर प्रदेश होता है जिसमें सन्नगरों का समूह होता है।

मेगा सिटी

मेगा सिटी शब्दावली उन नगरों के लिए प्रयुक्त की जाती है जिनकी जनसंख्या मुख्य नगर व उप नगरों को मिलाकर एक करोड़ से अधिक होती है। सबसे पहला मेगा सिटी बनने का श्रेय न्यूयार्क को मिल। भारत में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता मेगा सिटी के उदाहरण है। आज विश्व में 30 से अधिक मेगा सिटी हैं।

© NCERT not to be republished

© JCERT not to be republished